

RECEIVED

12 MAR 2026

TEST CODE 8 7 1 1 5 1 5

UPPSC MAINS 2025

Time Allowed : Three Hours  
समय : तीन घंटे

ForumIAS ACADEMY

Maximum Marks : 150  
अधिकतम अंक : 150

## GENERAL HINDI / सामान्य हिन्दी

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	SWATI GOND		
Roll No./ अनुक्रमांक	1910060891	Medium/ माध्यम	English <input checked="" type="checkbox"/> हिन्दी <input checked="" type="checkbox"/>
Center Code/ परीक्षा केंद्र	1901	Date/ दिनांक	12/3/26

\*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका			INSTRUCTION / अनुदेश	
Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक	1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet. कृपया उत्तर-पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।	
1			2. There are EIGHT questions printed in this booklet, all questions are compulsory. उत्तर पुस्तिका में 8 प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।	
2			3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it. प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।	
3			4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।	
4			5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off. प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।	
5				
6				
7				
8				
9				
10				
11				
12				
13				
14				
15				
16				
17				
18				
19				
20				
Total/ कुल अंक	150		For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु	
Examiner's Discretion/ मूल्यांकन कर्ता का विवेक:			Start Time/ प्रारंभ करने का समय : 10:50 am	End Time/ समाप्त करने का समय : 12:35 pm
Total Marks/ कुल अंक :			Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि :	Online/ ऑनलाइन <input type="checkbox"/> Offline/ ऑफलाइन <input checked="" type="checkbox"/>
*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy. मूल्यांकन कर्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखों के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।			For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु	
			ECN CODE/ ईसीएन कोड :	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि:
			① ② ③ ④ ⑤	

**Note:** Students are expected to incorporate suggestions from the feedback provided in the answers. Discussion classes for the tests are also available online in your portal to aid in your preparation. Further, students are requested to see the good copies of the tests and learn from them. You can also discuss your copy with a Mentor and discover ways and means to improve your answers, or if you have any issues with this test / copy. Ask specific questions, to get specific answers.

---

## EXAMINER'S REMARKS

---

### CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of ( but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R =** How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

Q.1) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

मैं संस्कृति को समाज की आत्मा के रूप में देखने का अभ्यासी हूँ। जो चिंतन मनुष्य को नैतिकता, संयम और सह-अस्तित्व की राह न दिखा सके, जो उसकी बुद्धि को विवेकपूर्ण न बना सके, जो उसके व्यवहार में उदारता और समता का संचार न कर सके, उसे प्रगतिशील विचार कहने में मुझे हिचक होती है। मुझे प्रतीत होता है कि हम एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहाँ बाह्य चमक-दमक ने आंतरिक मूल्यों को ढँक लिया है। आज विविध प्रकार की प्रतिस्पर्धाएँ और निजी लाभ की प्रवृत्तियाँ मनुष्य को इस सीमा तक व्यस्त कर चुकी हैं कि व्यापक सामाजिक हित की चिंता गौण होती जा रही है। ऐसा लगता है मानो तात्कालिक सफलता की आकांक्षा ने दीर्घकालिक उत्तरदायित्व को विस्मृत कर दिया है। समाज उपलब्धियों के कृत्रिम मापदंडों पर स्वयं को विभाजित करता जा रहा है। जो इस दौड़ में पीछे रह जाता है, उसे अयोग्य मान लिया जाता है। उसके संघर्षों को समझने के बजाय उनकी उपेक्षा की जाती है। उसके धैर्य और ईमानदारी को भी कभी-कभी मूर्खता समझ लिया जाता है।

- (क) प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। 5
- (ख) लेखक के अनुसार सच्चे प्रगतिशील चिंतन की विशेषताएँ क्या होनी चाहिए? स्पष्ट कीजिए। 5
- (ग) प्रस्तुत गद्यांश की रेखांकित पक्तियों की व्याख्या कीजिये। 20

(क) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक यह कहने का

प्रयास कर रहा है कि उसके लिए संस्कृति ही समाज का आइना है। उसके अनुसार चिंतन ही मनुष्य को नैतिकता, संयम और विवेकपूर्ण बनाता है। हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहाँ बाह्य चमक-दमक ने आंतरिक मूल्यों को ढँक दिया है। समाज उपलब्धियों पर ही मनुष्य को नैतिकता है जो पीछे रह जाता है उसके संघर्षों को बिना समझे उसके अयोग्य मान लिया जाता है, तथा उसके धैर्य और ईमानदारी को उसकी मूर्खता भी समझा जाता है।

(ख) लेखक के अनुसार सच्चे प्रगतिशील  
चिंतन की विशेषताएँ होती चाँदिसँ →

- ① जो मनुष्य को नैतिकता, संयम  
और सह-अस्तित्व की राह दिखाये
- ② जो मनुष्य की बुद्धि को विवेकपूर्ण  
बनाए।
- ③ जहाँ बाहरी चमक-दमक से अधिक  
आंतरिक मूल्यों को विशेषता  
विशेषता मिले।
- ④ जो मनुष्य की सोचने समझने  
की बुद्धि को बढ़ा सके।

(ग) आज विधि - - - - - दिया है।

व्याख्या → उपर्युक्त पंक्तियों से लेखक यह कहना चाह रहा है कि आज कल प्रतिस्पर्धाएँ मनुष्य को इतना अंधा कर दे रही हैं कि साम्राज उसके कै कुद भी नहीं है। मनुष्य को अपने निजी लाभ के आगे

साम्राजिक हित की चिंता बहुत छोटी लगने लगी है।

ऐसा मान लिया गया है कि तात्कालिक सफलता ही सच्ची सफलता है। यद्यपि कान तक अगर मनुष्य किसी कार्य को करता है तो उसे पूर्ण सफलता दिया जाता है। अपने निजी लाभ के आगे साम्राजिक हित की चिंता

गौण होती जा रही है।  
 तात्कालिक सफलता की आकांक्षा के  
 दीर्घकालीन उत्तरदायित्व को विस्मृत  
 कर दिया है।

\_\_\_\_\_ X \_\_\_\_\_

### Feedback

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.2) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए।

विकास की प्रक्रिया से हम स्वयं को अलग नहीं रख सकते। विकास से विमुख होना ठहराव और पतन को निमंत्रण देना है। यद्यपि परंपरा में एक प्रकार का आश्वासन निहित रहता है, तथापि बिना साहस के कोई समाज प्रगति नहीं कर सकता। व्यवस्था की दृढ़ता विज्ञान में दिखाई देती है और जीवन की सजीवता उसकी निरंतर गति में निहित है; इन दोनों के मध्य हमें समन्वय का मार्ग खोजना आवश्यक है। जीवन के संतुलन में परंपरा और नवता के सामंजस्य का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्व की परिवर्तनशील धारा के साथ हमें भी प्रवाहित होना होगा, परंतु बिना विचार के किसी अनिश्चित दिशा में बढ़ जाना बुद्धिमत्ता नहीं है। हमें आगे बढ़ना है, परंतु सजग दृष्टि के साथ। नवीन विचारों के लिए अपने मन को खुला रखें और पूर्वधारणाओं से मुक्त होकर उनका परीक्षण करें। उनके गुण-दोष को निष्पक्ष विवेक की कसौटी पर परखें। सीमित सीमा तक प्रयोगों को स्वीकार करें, किंतु केवल नवीन होने के कारण उन्हें अंतिम सत्य न मान लें। जिस तर्कशक्ति से हम रूढ़ियों की समीक्षा करते हैं, उसी कठोर विवेक से नवीन प्रवृत्तियों का भी मूल्यांकन करें, ताकि प्रगति विवेकपूर्ण और संतुलित बनी रहे।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

5

(ख) परिवर्तन और परंपरा के समन्वय में विवेक की क्या भूमिका है? स्पष्ट कीजिए।

5

(ग) प्रस्तुत गद्यांश का संक्षेपण कीजिये।

20

(क) शीर्षक → "परंपरा और नवीनता"

(ख) परंपरा और परिवर्तन के सांख्यिक में विवेक की यह भूमिका है कि विवेक से हम अपनी परंपराओं को ज्ञान तथा परिवर्तनशील धारा के गुण दोष को निष्पक्ष निष्पक्ष विवेक की कसौटी पर उतारे। जीवन में संतुलन में परंपरा और नवता के सामंजस्य की अधिक महत्वपूर्ण है।

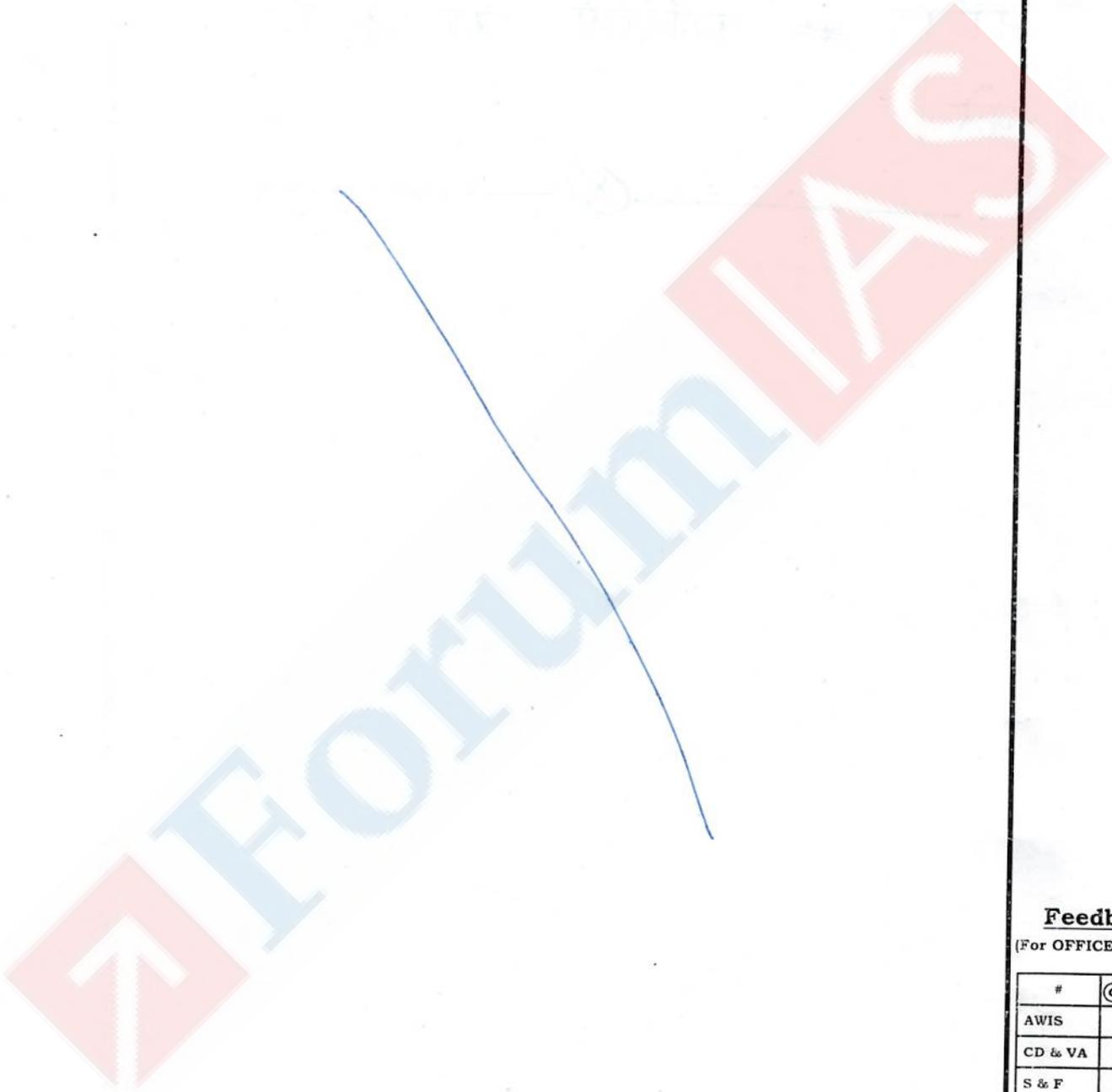
विवेक से हम जिस प्रकार रुढ़ियों की समीक्षा करते हैं, उसी कठोर विवेक से नवीन प्रवृत्तियों का भी मूल्यांकन करें, ताकि प्रगति विवेकपूर्ण और संतुलित बनी रहे।

## (ग) संक्षेपण

विकास की प्रक्रिया से हम स्वयं को अलग नहीं कर सकते। व्यवस्था की दृढ़ता विज्ञान में दिखाने देती है और जीवन की सजीवता उसकी निरंतर गति में निहित है। जीवन में परंपरा और नवता का संतुलन आवश्यक है।

हमें आगे बढ़ना है लेकिन तर्कशास्त्र के साक्ष्य। रूढ़ियों की समीक्षा तथा नवीन प्रकृतियों का मूल्यांकन करें।

————— (X) —————



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

### Q.3) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए

(क) 'कार्यालय आदेश' को परिभाषित करते हुए प्रमुख सचिव, गृह विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से राज्य में सभी शासकीय कार्यालयों में बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू करने के संबंध में एक कार्यालय आदेश का प्रारूप तैयार कीजिए। 10

(ख) ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ की ओर से सचिव, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को प्रेषित किए जाने हेतु एक अर्द्ध-सरकारी पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लंबित आवासों की स्वीकृति शीघ्र प्रदान करने का अनुरोध किया गया हो। 10

(क) कार्यालय आदेश

- ① कार्यालय आदेश एक औपचारिक पत्र होता है।
- ② यह उच्च अधिकारी द्वारा कर्मचारियों को दिया जाता है।
- ③ यह कक्षा या कर्मचारियों द्वारा अधिकारियों को नहीं दिया जाता है।
- ④ ये आदेश कार्यालय के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए आवश्यक नियम, निर्देश या निर्णय होते हैं, जिन्हें सभी संबंधित कर्मचारियों को पालन करना होता है।

कार्यालय गृह विभाग अधिकारी

उ. प्र. शासन

अनुभाग-1

संख्या-124/36/25

दिनांक - 12/03/2026, लखनऊ

कार्यालय आदेश

राज्य में बढ़ती चोरी, दुराचारी, तथा सशस्त्र सैनिकों के कार्यालयों में आने की परेशानी बढ़ती ही जा रही है, इस समस्या को ध्यान में रखते हुए सभी शासकीय कार्यालयों में बायोमेट्रिक लगावें।

प्रारंभिक निम्नलिखित में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है-

क ख ग प्रमुख सचिव गृह विभाग उ. प्र. शासन लखनऊ।

1. श्री क ख ग खण्ड विकास अधिकारी।
2. मुख्य विकास अधिकारी।

अर्ध सरकारी पत्र

क ख ग  
सचिव  
ग्राम विकास  
विभाग |



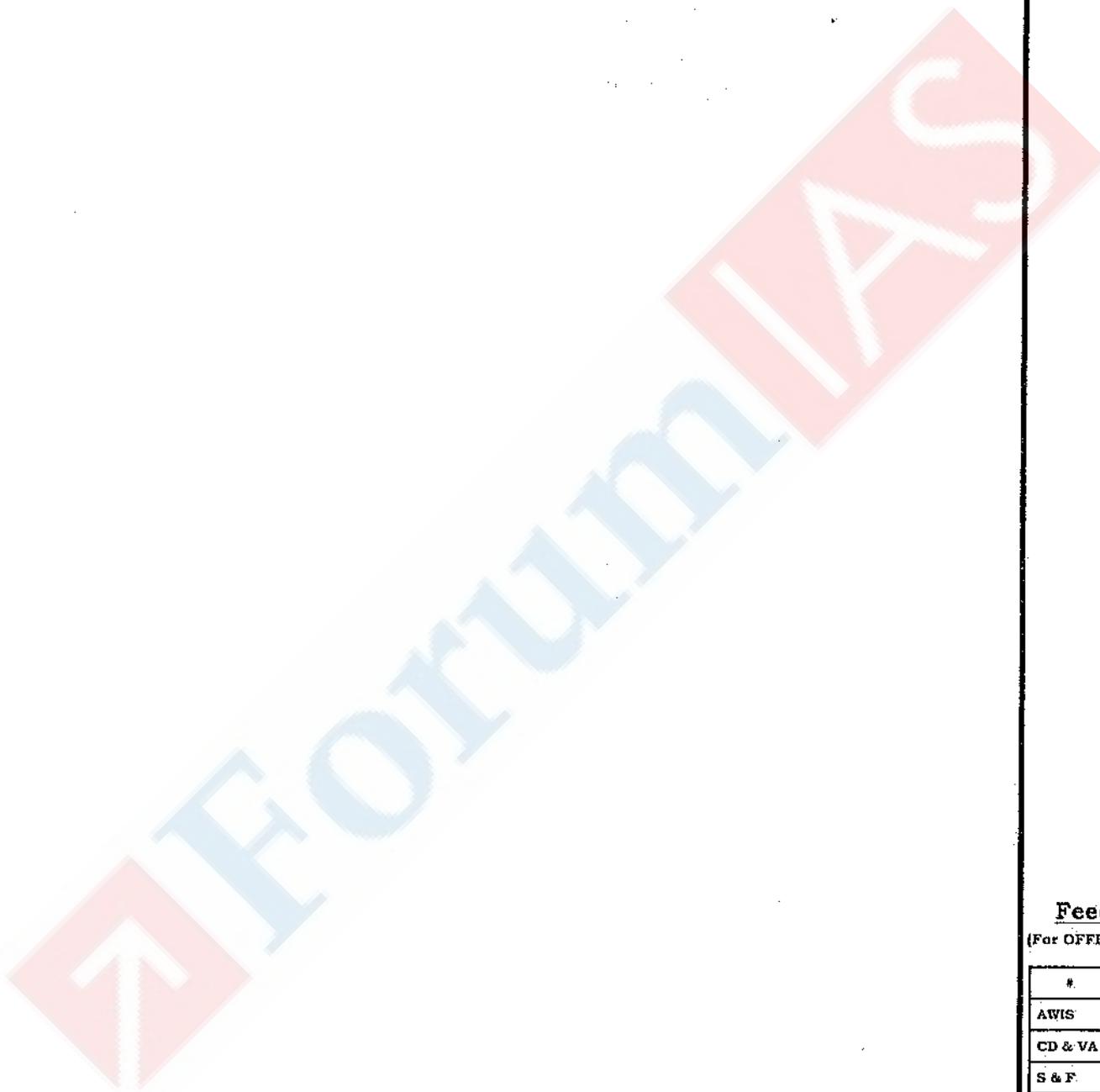
पत्र संख्या - 143/23/25  
ग्राम विकास विभाग  
उ. प्र. शासन  
लखनऊ

प्रिय श्री अव प, मदीय सचिव जी  
ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत  
सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के  
अंतर्गत लंबित आवासों की स्वीकृति  
बोझ प्रदान करने का अनुरोध है।

"सादर"

सेवा में,  
अव प  
सचिव, ग्रामीण  
विकास मंत्रालय  
उ. प्र. शासन  
लखनऊ।

शुभकामनाओं  
सहित  
क ख ग  
सचिव  
ग्राम विकास  
उ. प्र. शासन  
लखनऊ।



**Feedback**

(For OFFICE use only)

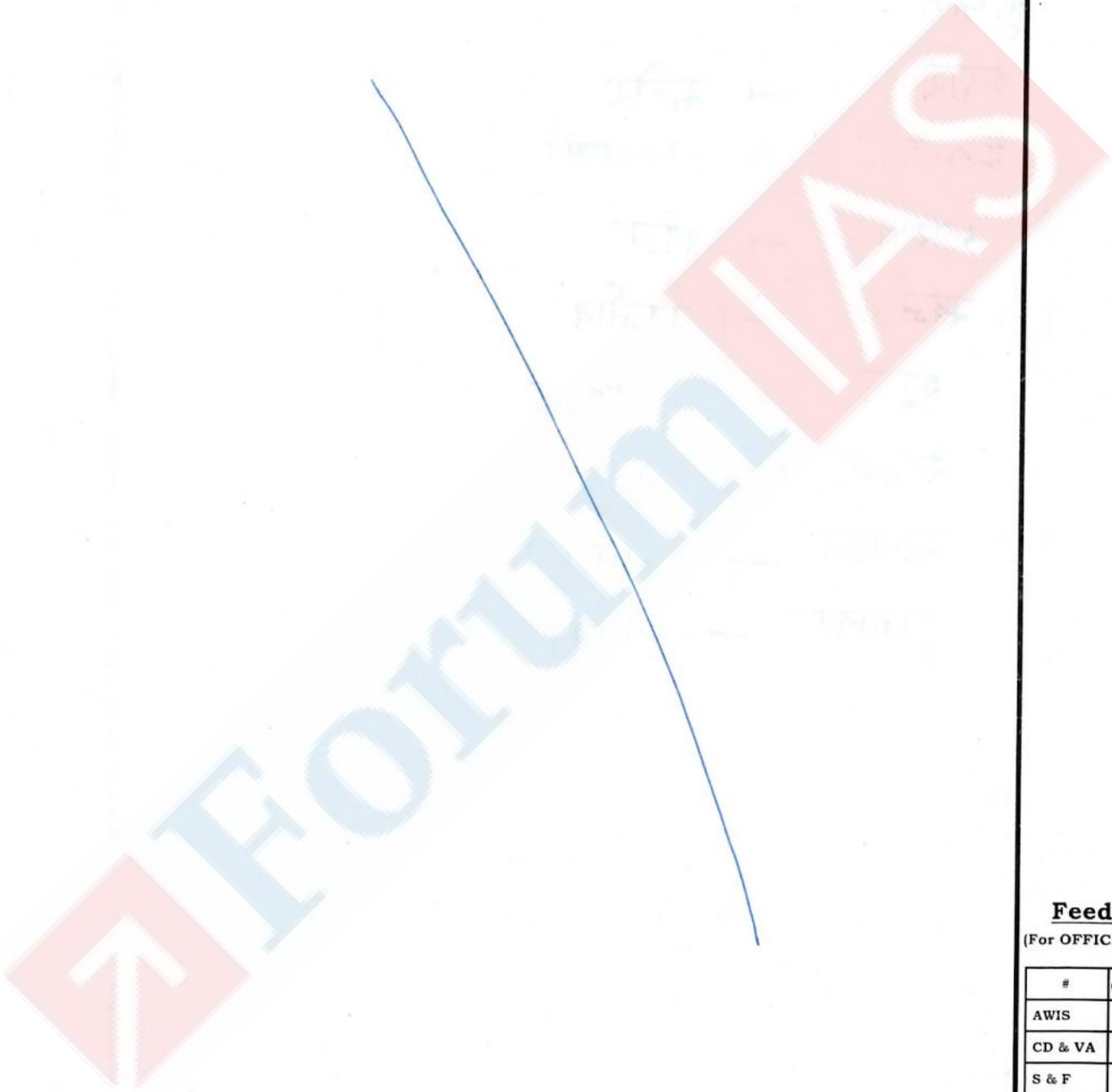
#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

Q.4) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिये।

10

उन्नति, कृत्रिम, उदार, स्थायी, आरंभ, सजीव, शुद्ध, साहसी, सम्मान, प्रकाश।

उन्नति	→ अवन्नति
कृत्रिम	→
उदार	→ कठोर
स्थायी	→ अस्थायी
आरंभ	→ अंत
सजीव	→ विजीव
शुद्ध	→ अशुद्ध
साहसी	→ कायर
सम्मान	→ अपमान
प्रकाश	→ अंधकार



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.5) (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों की पहचान कीजिए।  
अनुपस्थित, निरुपाय, पराभव, उपदेश, सुदर्शन।

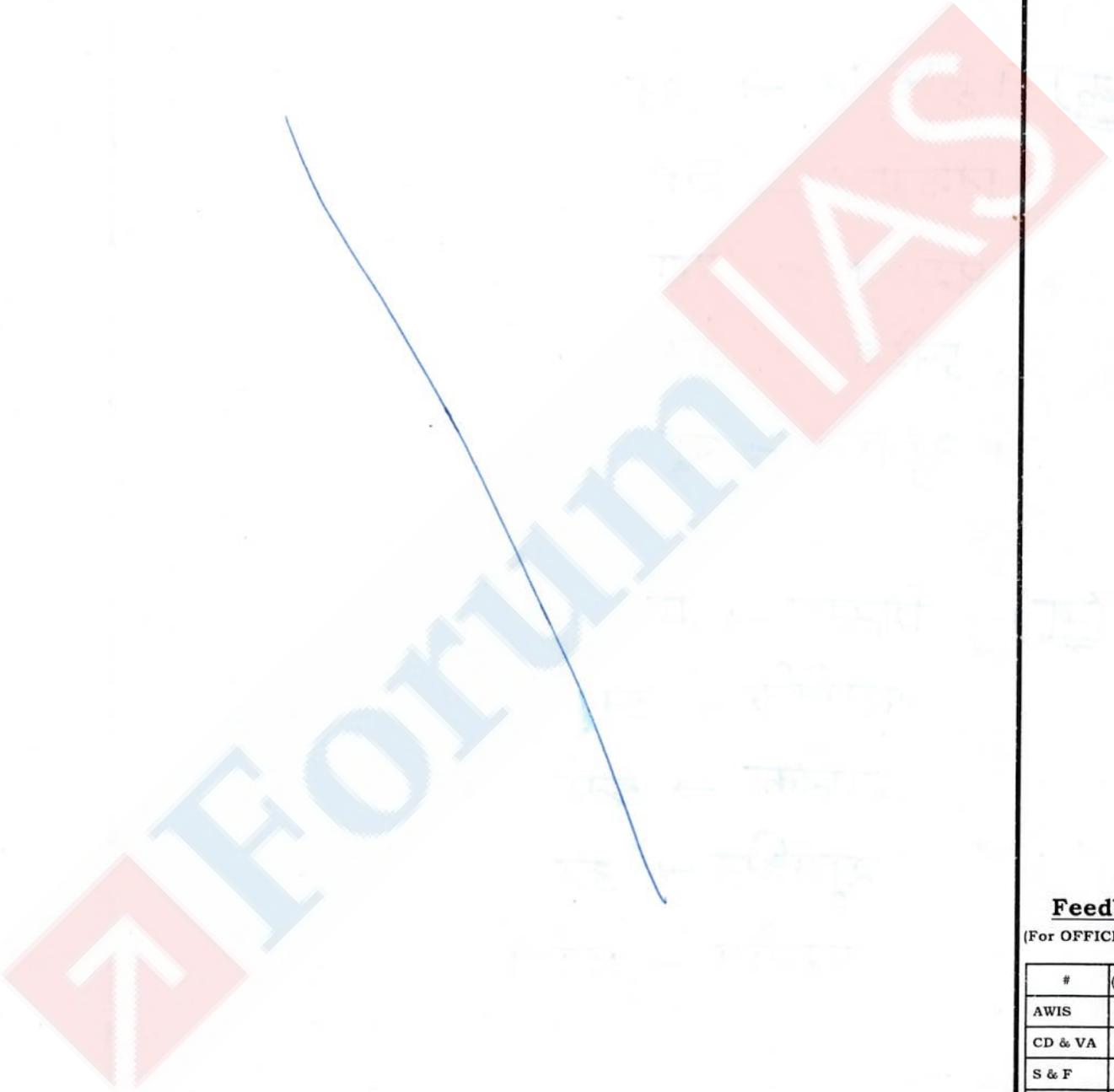
5

(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को पृथक् कीजिए।  
मित्रता, धार्मिक, बालिका, सुगंधित, पठनीय।

5

(क) अनुपस्थित → अनु  
निरुपाय → निर  
पराभव → परा  
उपदेश → उप  
सुदर्शन → सु

(ख) मित्रता → ता  
धार्मिक → इक  
बालिका → इका  
सुगंधित → इत्  
पठनीय → अनीय



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.  
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

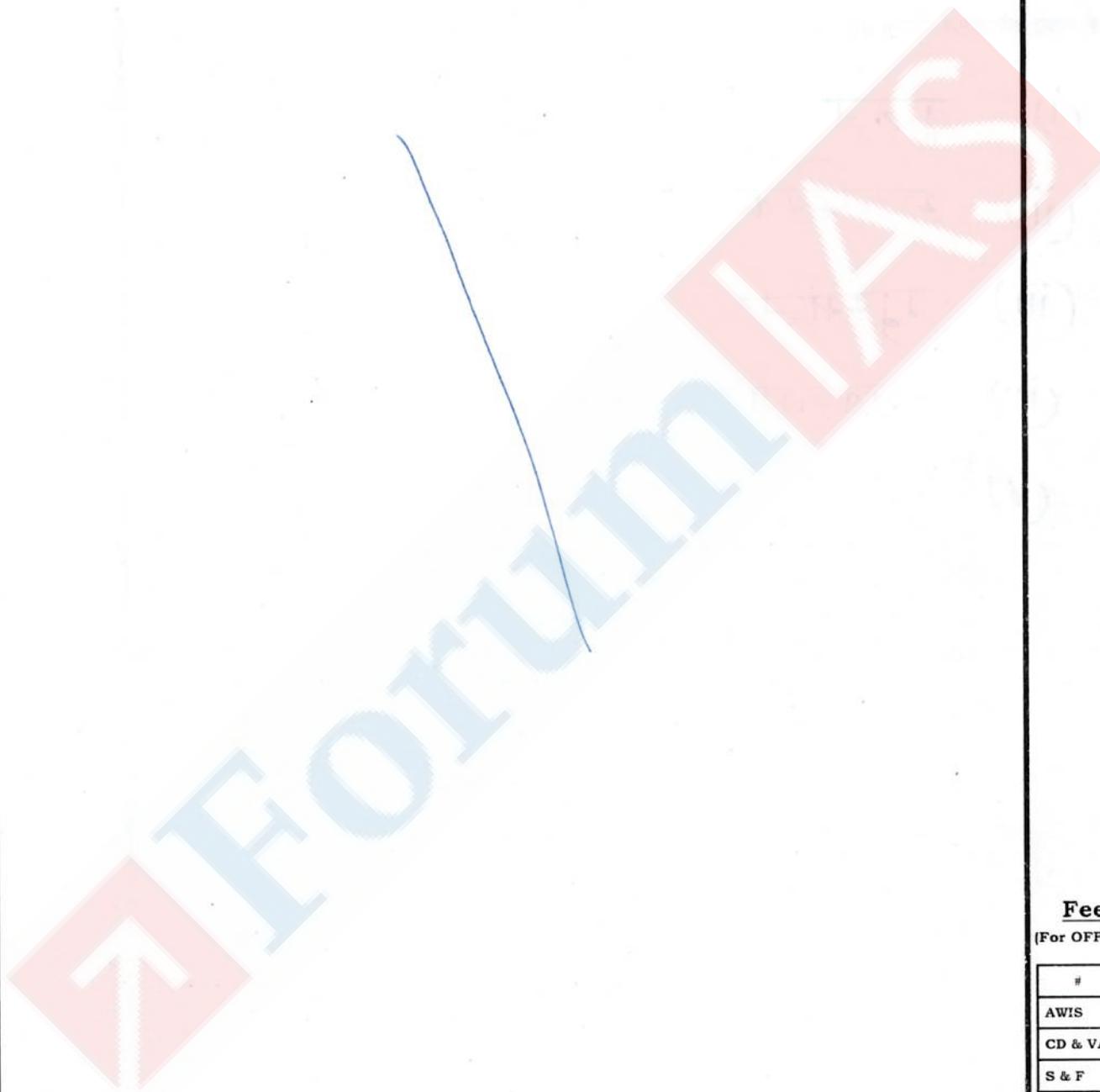
TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.6) निम्नलिखित वाक्यों या पदबंधों के लिये एक-एक शब्द लिखिये।

10

- (i) जो दूसरों का उपकार मानता हो।
- (ii) जो ईश्वर में विश्वास न करता हो।
- (iii) जो शीघ्र क्रोध करने वाला हो।
- (iv) जो सब जगह विद्यमान हो।
- (v) जो न्याय का पालन करता हो।

- (i) कृतज्ञ
- (ii) अनास्तिक
- (iii) गुस्सैल
- (iv) सर्वज्ञाती
- (v)



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	C	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.  
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	
-------------	--

Q.7) (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये।

5

- (1) वह बाजार जाता हैं।
- (2) सीता और गीता स्कूल जाता है।
- (3) मेरे पास दो रुपया है।
- (4) बच्चे मैदान में खेल रही हैं।
- (5) सुशील रोती है।

(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये।  
अवश्यक, प्रशासन, उद्देश्य, विद्यार्थी, सम्वेदनशील।

5

Q7) (क)

- (i) वह बाजार जाता है।
- (ii) सीता और गीता स्कूल जाती हैं।
- (iii) मेरे पास दो रुपये हैं।
- (iv) बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।
- (v) सुशील रोती है।

(ख)

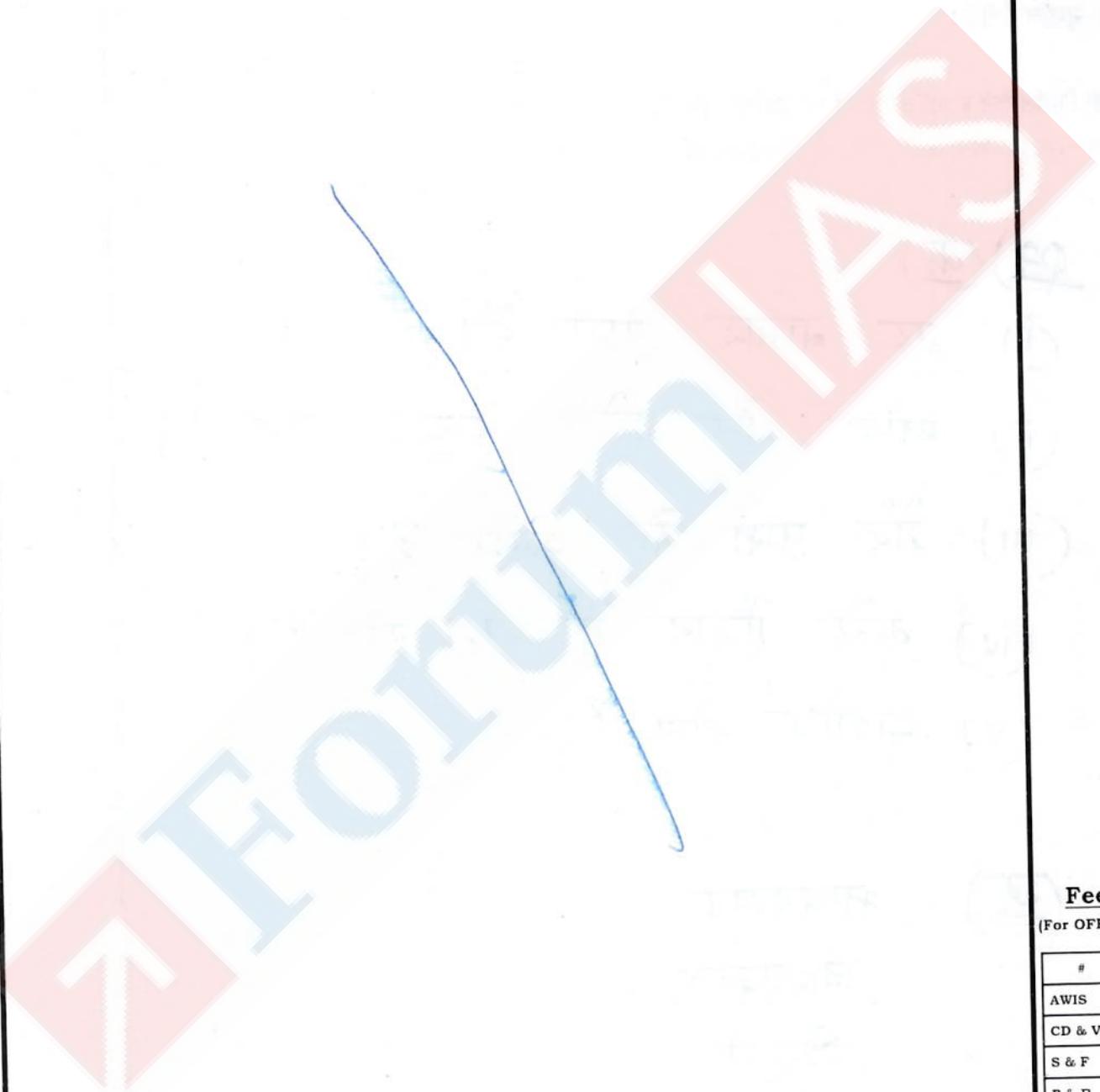
आवश्यक

प्रशासन

उद्देश्य

विद्यार्थी

संवेदनशील



**Feedback**

(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick  
marks in the above  
table.

Here G is Good, A is  
Average and P is  
Poor.

TOTAL MARKS	
----------------	--

Q.8) निम्नलिखित मुहावरों / लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

30

- (1) घर का भेदी लंका ढाए ।
- (2) नाम बड़े और दर्शन छोटे ।
- (3) नाच न जाने आँगन टेढ़ा ।
- (4) एक अनार सौ बीमार ।
- (5) दूध का जला छाछ भी फूँक-फूँक कर पीता है ।
- (6) सिर मुंडाते ही ओले पड़ना ।
- (7) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे ।
- (8) जब जागो तभी सवेरा ।
- (9) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।
- (10) थाली का बैंगन ।

① घर का भेदी लंका ढाए ।

अर्थ → किसी अपने का धोखा दे देना ।

वाक्य प्रयोग → रमेश पवन को अपना  
द्विष्ट मित्र मानता था, लेकिन  
पवन ने रमेश के शोर स राज  
खोल दिए यह तो वही बात  
हो गई कि घर का भेदी  
लंका ढाए ।

② नाम बड़े और दर्शन छोटे ।

अर्थ → अधिक प्रशंसा और उतना कार्य  
ना कर पाना ।

वाक्य → गगन हलवाई का ना बहुत

सुना था लेकिन जब मैंने उसकी मिठाई चखी तब पता चला कि यह तो नाच बड़े और फरान छोटे वाली बात निकली।

③ नाच ना जाते आँगन टेढ़ा।

अर्थ → खुद अयोग्य होना तथा दूसरों को दोष देना।

वाक्य प्रयोग → रिया से जब गाना गाते कौ कहा गया तो वह बतमबर्क वातावरण की शर्तों को दोष देने लगी यह तो वही बात है नाच ना जाते आँगन टेढ़ा।

(iv) एक अनार सौ बीमार

अर्थ → एक चीज़ और कई उमिदवार उमीदवार

वाक्य → आज कल ~~स~~ सरकारी नौकरियों का हाल कुछ एक अनार और सौ बीमार जैसा हो गया है।

(v) दूध मा जला दाढ़ भी पूँक-पूँक कर पीता है।

अर्थ → एक बार गलती होने पर अधिक सावधान हो जाना

वाक्य →

जब से किताब दिख की बानी से घर में आग लगी है प्राची तो अब गलतों अंधेरे में रहने लगी है यह तो वही बात हो गई इध का जमा दाद भी फूँक-फूँककर पीता है।

(vi) शिर मुंडाते ही औले पड़ना

अर्थ → अचानक मुश्किल का आना

वाक्य → रमा ने जैसे ही यु. पी. एस. सी का परीक्षा देना शुरू किया

वैसे ही सी-शेड का प्रश्न-पत्र कठिन आने लगा यह तो वही बात हो गई कि शिर मुंडाते ही औले पड़ना।

(vii) उल्टा चौर कौतवाब को डौरे

अर्थ → जिसकी गलती है उसका ही मोक्ष करना

वाक्य → चौर की चोरी पकड़े जाने पर वह चील्लमि लगा यह तो उल्टा चौर कौतवाब को डौरे हो गया।

(viii) जब जागो तभी सवेरा  
अर्थ → जब <sup>भी</sup> प्रसूष्य की आँख खुले देर नहीं होती  
वाक्य → परीक्षा में कम दिन बाकी हैं लेकिन अगर अभी भी पढ़ा जाये तो कोई बात नहीं, जब जागो तभी सवेरा।

(ix) बंदर क्या जोते अफरक का स्वाद  
अर्थ → अयोग्य व्यक्ति को बुद्धि नहीं होती  
वाक्य → शिखारी को शौन का कठ कटेरा देने पर भी वह भी ही मांगता है अखिर बंदर क्या जोते अफरक का स्वाद।

(x) धाली का बैंगन  
अर्थ → एक ~~क~~ और ना रहना, मन का डोबना  
वाक्य → विश्व युद्ध में इटली देश ही हारत धाली के बैंगन की जैसी हो गई थी ~~क~~ कभी इधर तो कभी उधर।

\_\_\_\_\_ (X) \_\_\_\_\_

### Feedback

(For OFFICE use only)

#	C	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			
Please put tick marks in the above table. Here G is Good, A is Average and P is Poor.			
TOTAL MARKS			

**Mentor Feedback Questions**

- 1 .....
- 2 .....
- 3 .....
- 4 .....
- 5 .....

**Test Goal**

- 1 .....
- 2 .....
- 3 .....

**Outcomes**

- .....
- .....
- .....
- .....

**Marking Scheme**

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 - 5.0	3.0 - 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 - 7.0	4.0 - 5.5	< 4.0
20 Marker	7.75 - 10	6 - 7.5	< 6
✓✓	Key / Relevant Point		
✗	Vague / Irrelevant		

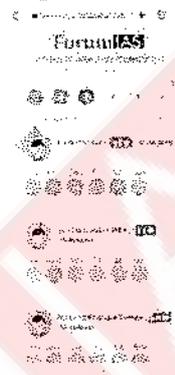
\* Subject to change without prior notice.

# Availing Mentorship - Now made easy & seamless via [mentorship.forumias.com](https://mentorship.forumias.com)

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL <https://mentorship.forumias.com> or Scan the QR code



**When must you seek mentorship?** When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link <https://blog.forumias.com/testimonials>

## Topper's Testimonials and Test Copies

### CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

- CSE Rank 1: Ujjwal Sharma. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 5: Shivansh Dwivedi. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 8: Ishika Bhatnagar. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 9: Aniket Singh. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 11: Vaidant Shekhar. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 14: Adarsh Jain. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 17: Mehul Jain. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 19: Divyanshu Jaiswal. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 20: Arish Chaudhary. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 21: Anshu. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 24: Pranshu Sahay. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 25: Shrutika Rajakshmi. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 26: Utkarsh Arora. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 28: Aditya Bhanushree Mahil. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 30: Tanishk Gupta. Download MGP Copies • Testimonial (PDF)
- CSE Rank 31: Anshu Singh. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 37: V Sanjana Sinha. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 39: Veerendra Khakhar. Download MGP Copies • Testimonial
- CSE Rank 40: Kushal Jain. Download MGP Copies • Testimonial